International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 12, December 20220,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले मे अफीम पोस्त की लागत का विश्लेषण

(सत्र 2017-18 के संदर्भ मे)

मयूरी सोनी

शोधार्थी (वाणिज्य)

गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय

बांसवाड़ा (राज.)

डॉ. पवन कुमार पिलोदिया

सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य विभाग)

शासकीय महाविद्यालय दलौदा

जिला-मंदसौर (म.प्र.)

सारांश

भारतीय अर्थव्यवस्था एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है , यहाँ अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्य मे संलग्न है । भारत मे विभिन्न खाद्यान्न फसलों के साथ-साथ कई अखाद्य फसलों की कृषि भी की जाती है जैसे – अफीम, जुट, कपास आदि । इन अखाद्य फसलों मे अफीम सबसे बहुमूल्य व उपयोगी फसल मानी जाती है । अफीम का उपयोग मुख्य रूप से औषधि निर्माण के क्षेत्र मे किया जाता है । औषधि निर्माण मे प्रयुक्त किये जाने वाले इस मादक द्रव्य के उत्पादन के पूर्व से विपणन तक की समस्त क्रियाओ मे राजकीय हस्तक्षेप होता है । अफीम कृषि हेतु सरकार द्वारा प्रतिवर्ष क्षेत्र विशेष के कृषको को एक निर्धारित क्षेत्र हेतु लाइसेन्स दिया जाता है । प्रस्तुत शोध पत्र मे प्रतापगढ़ जिले मे अफीम पोस्त की कुल लागत तथा विभिन्न लागत तत्वो का विश्लेषण किया गया है ।

संकेत शब्द

अफीम पोस्त कृषि, लागत संरचना, लागत तत्व ।

प्रस्तावना

प्रतापगढ़ क्षेत्र राजस्थान के दक्षिणी भू-भाग का सर्वाधिक कृषि आच्छादित क्षेत्रो मे शामिल है । यहाँ की मिट्टी की क्षमता अन्य भू-भाग की अपेक्षा अधिक उपजाऊ है । प्रतापगढ़ जिले के कृषको के द्वारा रबी व खरीफ फसलों के अतिरिक्त दलहन, तिलहन और अन्य नकदी फसलें भी समयानुसार ली जाती है ।

अफीम फसल भी क्षेत्र के पंजीकृत कृषको द्वारा विभागीय कालचक्र अनुसार अक्टूबर से फरवरी माह के मध्य उगाई जाती है । जिला अफीम अधिकारी से अनुमति प्राप्त भू-भाग पर कृषक अफीम की अच्छी पैदावार हेतु यथोचित व्यय का निर्वहन

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 12, December 20220,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

करता है । कृषक को गत वर्ष की प्रति आरी अफीम की उत्पादन मात्रा के आधार पर वर्तमान वर्ष हेतु लाइसेन्स जारी होता है । कृषक लाइसेन्स मे वर्णित क्षेत्र मे ही अफीम कृषि की जानी होती है । अत : शोध पत्र मे लागत विश्लेषण हेतु केवल वही व्यय शामिल किये जावेंगे जो लाइसेंसी क्षेत्र से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से संबन्धित होंगे । विश्लेषण हेतु प्राप्त लागत समको को स्थायी व परिवर्तनशील व्यय के रूप मे वर्गीकृत किया गया है ।

उद्देश्य

1- प्रतापगढ़ जिले मे अफीम पोस्त की लागत का विश्लेषण करना ।
2- अफीम पोस्त की कुल लागत मे स्थायी तथा परिवर्तनशील व्यय का प्रतिशत ज्ञात करना ।

शोध प्रविधि

(A) शोध क्षेत्र – अफीम की फसल एक पर्यावरणीय संवेदी फसल है अर्थात तापमान , हवा, वर्षा, मिट्टी इसके बड़े प्रभावक तत्व है । इन तत्वो का प्रत्यक्ष प्रभाव अफीम की कुल उत्पादकता व गुणवत्ता पर पड़ता है । पर्यावरणीय परिस्थितियों के कारण राजस्थान मे अफीम पोस्त कृषि प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, कोटा, भीलवाडा, झालावाड़, बारा व उदयपुर जिले मे ही की जाती है । यहा अध्ययन हेतु प्रतापगढ़ जिले का चुनाव किया गया है , प्रतापगढ़ जिला 5 तहसीलो मे विभक्त है , जिसमे से 3 तहसील प्रतापगढ़ , अरनोद व छोटीसादड़ी क्षेत्र की जलवायु व प्राकृतिक संरचना अफीम कृषि हेतु उपयुक्त है ।

(B) शोध विधि – प्रस्तुत अनुसंधान विषय "राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले मे अफीम पोस्त की लागत का विश्लेषण" पूर्णतया क्षेत्र के अफीम कृषको द्वारा प्राप्त समको व सूचनाओ पर आधारित है । अध्ययन हेतु क्षेत्र के अफीम कृषको की लागत संबन्धित प्राथमिक समको के संग्रहण हेतु जिले के लाइसेंसधारी कृषको मे से याद्रच्छिक रूप से 100 कृषको का चयन किया गया है ।

(C) समक संग्रहण - समक संग्रहण हेतु वर्ष 2017-18 के लाइसेन्सधारी अफीम कृषको मे से चयनित कृषको से प्रत्यक्ष संपर्क कर समस्त लागत तत्वो की जानकारी प्राप्त की गई । शोधार्थी स्वयं क्षेत्र की निवासी होने के कारण प्रत्यक्ष रूप से अफीम कृषको से संपर्क स्थापित कर जानकारी प्राप्त कर सकी ।

विश्लेषण

प्रस्तुत शोध शीर्षक "राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले मे अफीम पोस्त की लागत का विश्लेषण" का अध्ययन करने के लिए लागत के परिवर्तनशील तथा स्थाई व्यय के समको का संग्रहण करने के लिए शोध क्षेत्र प्रतापगढ़ जिले के चयनित 100 अफीम

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 12, December 20220,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

काश्तकारों का साक्षात्कार किया गया । साक्षात्कार से प्राप्त समको को स्थायी व परिवर्तनशील व्ययों के रूप मे वर्गीकृत कर लागत विश्लेषण किया गया ।

प्रतापगढ़ जिले की अफीम उत्पादक तहसीलो मे असमान क्षेत्र हेतु अफीम पट्टा वितरित किया जाने के कारण शोध की गुणवत्ता की दृष्टि से शोधार्थी द्वारा औसत 10 आरी मानकर लागत का वर्गीकरण शोध पत्र मे किया गया है । अफीम की मूल लागत मे कृषक द्वारा वहन किये गए समस्त व्यय सम्मिलित होते है । प्रस्तुत अनुसंधान मे लागत इकाई के आकलन हेतु परिवर्तनशील व स्थायी व्ययों का औसत ज्ञात किया गया है । जिससे शोध पत्र के मूल उद्देश्य अफीम पोस्त के लागत तत्व का विश्लेषण प्राप्त किया जा सके ।

इसी प्रकार शोध पत्र के लक्षित उद्देश्यों के पूर्ण होने के लिए भी लागत तत्व मे एकरूपता आवश्यक है । ऐसी स्थिति मे कृषको से प्राप्त परिवर्तनशील व स्थायी लागत समको का औसत ज्ञात कर इन्हे निम्न प्रकार निर्वचन योग्य बनाया गया है ।

सारणी : 1

क्रमांक	लागत व्यय शीर्षक	लागत व्यय	कुल लागत मे व्यय का प्रतिशत
(A) परिवर्तनशील व्यय			
1	भू-सुधार व्यय	10,000	8.16
2	खाद व उर्वरक व्यय	24,000	19.59
3	निदाई गुड़ाई व्यय	14,000	11.43
4	कीटनाशक दवाई (प्रथम चरण)	4,000	3.26
5	कीटनाशक दवाई (द्वितीय चरण)	3,000	2.45
6	कीटनाशक दवाई (तृतीय चरण)	6,000	4.90
7	दूध संग्रहण व्यय उपकरण व मजदूरी व्यय सहित	14,000	11.43
8	डोढा तुड़वाई व्यय	2,000	1.63
9	कटाई व पिसाई व्यय	3,000	2.45
	कुल	80,000	65.30
(B) स्थायी व्यय			

10	गोदाम किराया	5,000	4.08
11	तारबंदी व्यय	30,000	24.49
12	विद्युत व्यय	7,500	6.13
	कुल व्यय (A+B)	1,22,500	100

स्त्रोत :- अफीम काश्तकारों के साक्षात्कार से प्राप्त समको के आधार पर ।

उपर्युक्त वर्णित सारणी क्रमांक 1 से स्पष्ट है कि अनुसंधान क्षेत्र मे अफीम कृषक द्वारा किए गए व्यय भिन्न – भिन्न शीर्षकों मे होता है, जो जिला अफीम कार्यालय द्वारा प्रदत्त पंजीकृत क्षेत्र मे किया जाता है । सारणी से स्पष्ट है कि परिवर्तनशील व्यय का प्रतिशत कुल लागत का 65.30% है तथा स्थायी व्यय का प्रतिशत कुल लागत का 34.70% है । लागत व्यय मे सर्वाधिक व्यय तारबंदी व बाड़ाबंदी का है जो कुल लागत का 24.49% है यह स्थायी प्रकृति का व्यय है ।

निष्कर्ष – अनुसंधान से निम्न निष्कर्ष प्राप्त हो सके –

1- प्रतापगढ़ जिले मे अफीम पोस्त की कुल लागत 122500 रु. औसत प्रति 10 आरी ज्ञात हुई ।

2- अफीम काश्तकारों के द्वारा बीज के रूप मे गतवर्ष स्वयं द्वारा उगाई अफीम काश्त के डोढो से प्राप्त पोस्तादाना का ही उपयोग किया जाता है अत: बीज व्यय शून्य ज्ञात होता है ।

3- प्रतापगढ़ जिले मे अफीम पोस्त की कृषि मे सर्वाधिक लागत व्यय प्रतिशत खाद व उर्वरक पर ज्ञात हुआ है ।

4- प्रतापगढ़ जिले मे अफीम कृषि का इतिहास पुराना होने के कारण अफीम दूध संग्रहण के योग्य व कुशल श्रमिक उचित पारिश्रमिक पर प्राप्त हो जाते है ।

सुझाव – प्रस्तुत शोध पत्र मे राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के अफीम पोस्त के लागत तत्वो का विश्लेषण किया गया है ।

इस अनुसंधान से शोध विषय से संबन्धित कुछ सुझाव दृष्टिगत किए गए है –

1- प्रतापगढ़ जिले मे खाद व उर्वरक के रूप मे देशी खाद पर सर्वाधिक व्यय किया जा रहा है क्योकि क्षेत्र के कृषको को अफीम पोस्त की कृषि के रासायनिक उर्वरको की पर्याप्त जानकारी नहीं है ।

2- जिले के अफीम काश्तकारों को समय-समय पर उचित प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है ताकि उन्नत कृषि तकनीको के प्रयोग से लागत मे कमी की जा सके ।

संदर्भ

1- Dangi, R. and Bairthi, R, (2006). "Training needs of opium growers." Rajasthan Journal of Extension Education, 127-131.

2- Opium Production Policy, 2017-18, Ministry of Finance, Department of Revenue, Government of India, New Delhi

3- Website of Central Bureau of Narcotics: www.clon.nic.in

4- "Opium-An Overview"

5- Rathore, K.P.S. and Bangarva, G.S. 2011. "Training needs of opium growers in pratapgarh district of rajasthan" Rajasthan Journal Extension Education.19:202-205